



दैनिक जागरण



दैनिक भास्कर



जनसत्ता

Party

CURRENT AFFAIRS

IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

31 December



Quote of the Day



अपने मिशन में सफल होने के लिए,
आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकचित्त
निष्ठावान होना चाहिए।"

- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम



काम्या कार्तिकेयन: सात चोटियों पर विजय पाने वाली सबसे कम उम्र की महिला

माउंट गिंसो





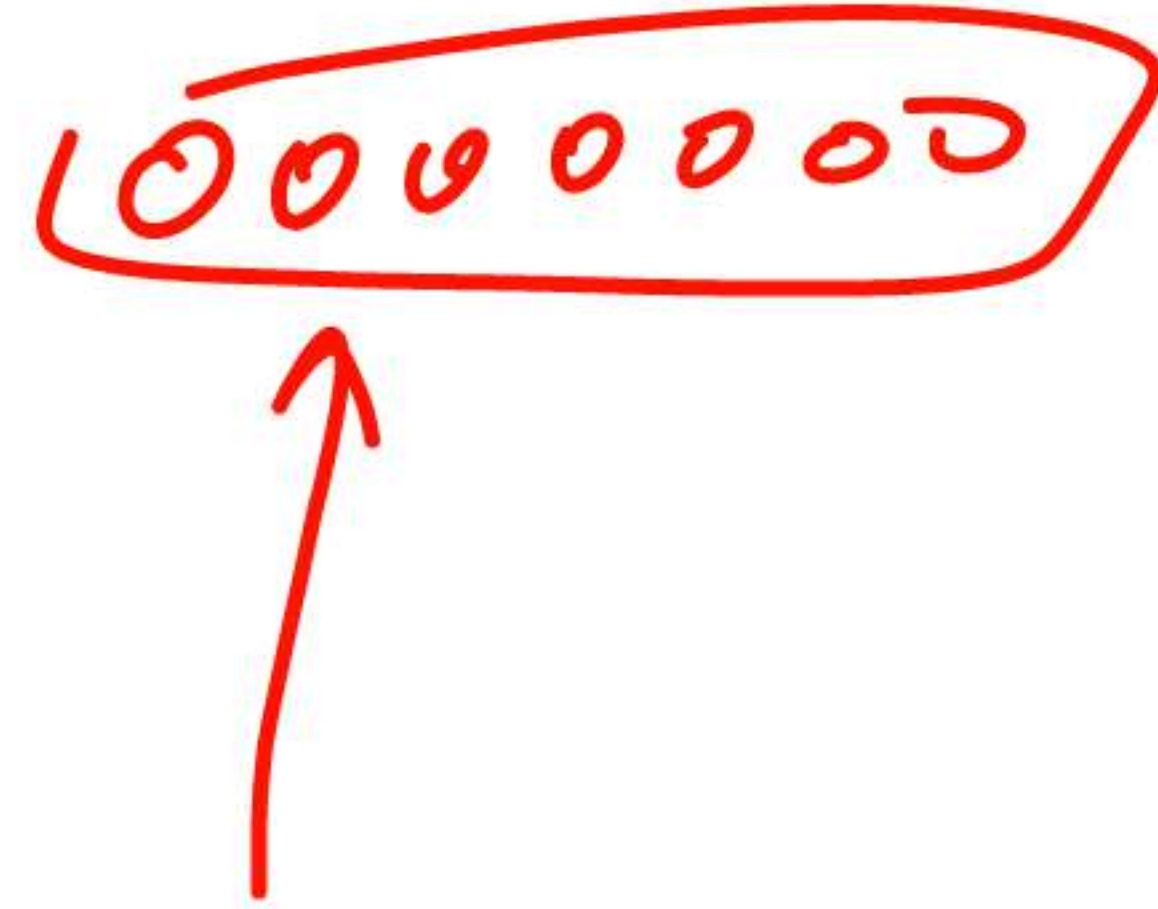
काम्या कार्तिकेयन: सात चोटियों पर विजय पाने वाली सबसे कम उम्र की महिला

- ▶ काम्या कार्तिकेयन सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं।
- ▶ भारतीय नौसेना के अनुसार, काम्या ने अपने पिता कमांडर एस कार्तिकेयन के साथ 24 दिसंबर को चिली के समयानुसार शाम 5:20 बजे अंटार्कटिका में माउंट विंसन की चोटी पर पहुंचकर प्रतिष्ठित सेवन समिट चैलेंज पूरा किया।





- ▶ अपने पिता की पर्वतारोहण गतिविधियों से प्रेरित होकर, काम्या ने तीन साल की छोटी सी उम्र से ही ट्रेकिंग शुरू कर दी थी। उनकी हिमालय यात्रा 2015 में सात साल की उम्र में चंद्रशिला चोटी (12000 फीट) की ऊंचाई पर ट्रेकिंग के साथ शुरू हुई थी।





- ▶ 2016 में, उन्होंने हर-की-दून (13500 फीट), केदारकांठा चोटी (13500 फीट) और रूपकुंड झील (16400 फीट) जैसे अधिक कठिन और ऊंचे ट्रेक पर चढ़ाई की।
- ▶ मई 2017 में, काम्या ने नेपाल में 17600 फीट की ऊंचाई पर एवरेस्ट बेस कैंप तक ट्रेकिंग की और यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की लड़की बन गई।



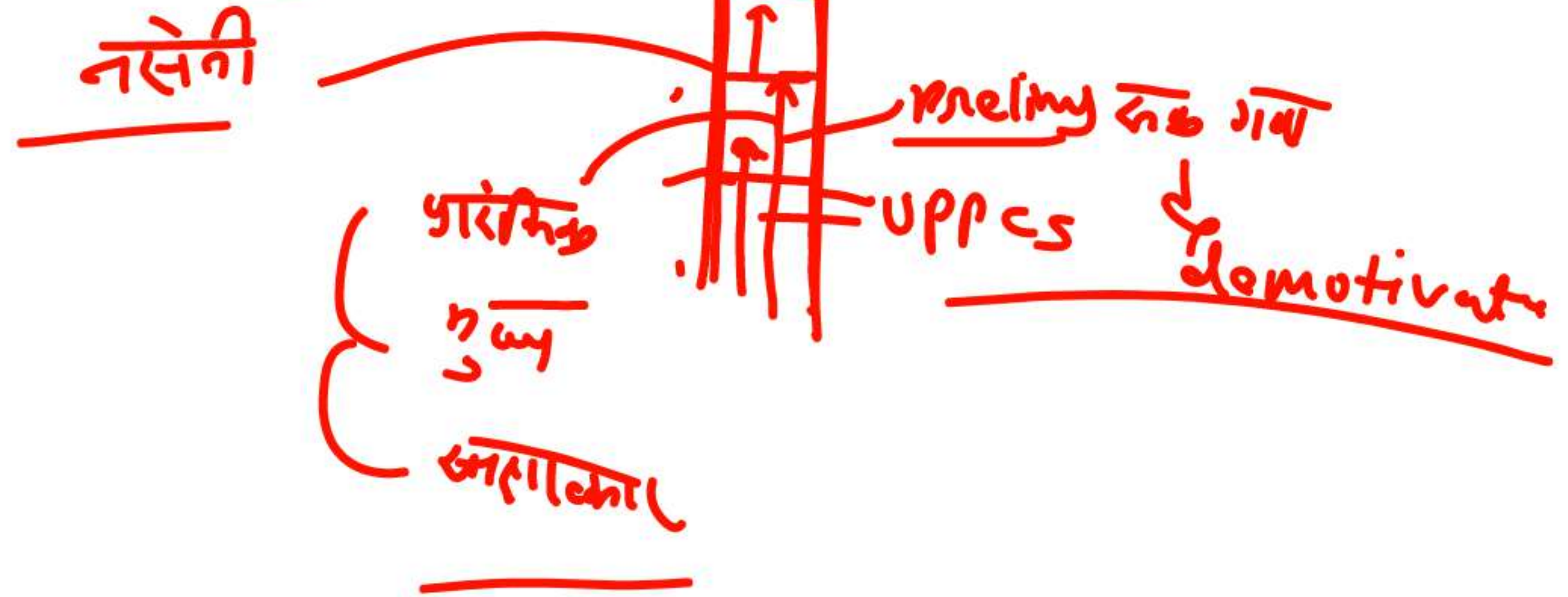
- ▶ मई 2019 में, उन्होंने हिमाचल प्रदेश में प्रसिद्ध ब्रिघ्म झील (14100 फीट) तक सफलतापूर्वक ट्रेकिंग की और सर दर्रा (13850 फीट) को पार किया।
- ▶ 24 अगस्त 2019 को, काम्या ने माउंट मेंटोक कांगड़ी II (6262 मीटर / 20544 फीट) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की, जो कि 6000 मीटर से ऊपर उनकी दूसरी सफल चढ़ाई है, जिससे बार-बार ऐसी ऊंचाइयों को फतह करने की उनकी क्षमता साबित हुई।

13850



काम्या कार्तिकेयन: सात चोटियों पर विजय पाने वाली सबसे कम उम्र की महिला

► 27 अगस्त 2019 को, उन्होंने लेह से खारदुंग ला (5359 मीटर) तक साइकिल भी चलाई, जो दुनिया की सबसे ऊंची यादगार सड़क है। इससे माउंट एकांकागुआ पर प्रयास करने का आत्मविश्वास मिला, जो एशिया के बाहर सबसे ऊंची चोटी है, और 7 शिखरों में से दूसरी सबसे ऊंची चोटी है (एवरेस्ट के बाद)।





- ▶ उपलब्धियों की सूची में जोड़ते हुए, 20 फरवरी को, काम्या अडिग रही और कई बाधाओं, प्रशासनिक, शारीरिक और मानसिक को पार करते हुए, शक्तिशाली माउंट एकांकागुआ पर चढ़ने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की लड़की बन गई यहां तक कि उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री का भी ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने मन की बात में उनके प्रयासों की सराहना की।



- ▶ इसके अलावा, वह सह्याद्रि में नियमित रूप से ट्रेकिंग करती हैं और यहां तक कि अपने दोस्तों और अन्य ट्रेकिंग उत्साही लोगों को भी आउटडोर अनुभव का अनुभव कराने में मार्गदर्शन करती हैं।



- ▶ उपलब्धियों की लंबी सूची में जोड़ते हुए, इस युवा ने अपने भविष्य के अगले 3 वर्षों के लिए भी योजना बनाई है, जहां काम्या दक्षिण ध्रुव पर स्की करना चाहती है और दिसंबर 2020 में अंटार्कटिका के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट विंसन मैसिफ पर चढ़ना चाहती है।



- ▶ अन्य असाइनमेंट 2021 में एक कड़े शेड्यूल में पूरा करने की योजना है, जो अंततः मई 2022 में माउंट एवरेस्ट के साथ समाप्त होगा। वह कन्याकुमारी से कश्मीर तक लगभग 3800 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए एक साइकिल अभियान शुरू करने की योजना बना रही है, जो राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है और विशेष रूप से बालिकाओं के बीच शारीरिक फिटनेस के महत्व पर जागरूकता फैलाता है।



- ▶ काम्या एक होनहार छात्रा है और बचपन से ही वह पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करती रही है, जिसे उसके शैक्षणिक पाठ्यक्रम में उसके प्रदर्शन और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उसकी अनुकरणीय भागीदारी से स्थापित किया जा सकता है।



- ▶ वह पियानो (ट्रिनिटी स्कूल ऑफ म्यूजिक से ग्रेड 5 पास), गिटार (ट्रिनिटी स्कूल ऑफ म्यूजिक से ग्रेड 2 पास), पश्चिमी और कर्नाटक गायन और बारातनाट्यम बजाना सीखकर ललित कलाओं में भी शामिल रही है। वह पिछले पांच सालों से मंच पर बारातनाट्यम की प्रस्तुति दे रही है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: काम्या कार्तिकेयन किस उपलब्धि के लिए जानी जाती हैं?

- (A) सबसे कम उम्र की महिला पर्वतारोही, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की।
- (B) सबसे कम उम्र की महिला, जिन्होंने सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों (Seven Summits) पर विजय प्राप्त की।
- (C) पहली भारतीय महिला, जिन्होंने अंटार्कटिका में रिसर्च बेस स्थापित किया।
- (D) भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री।



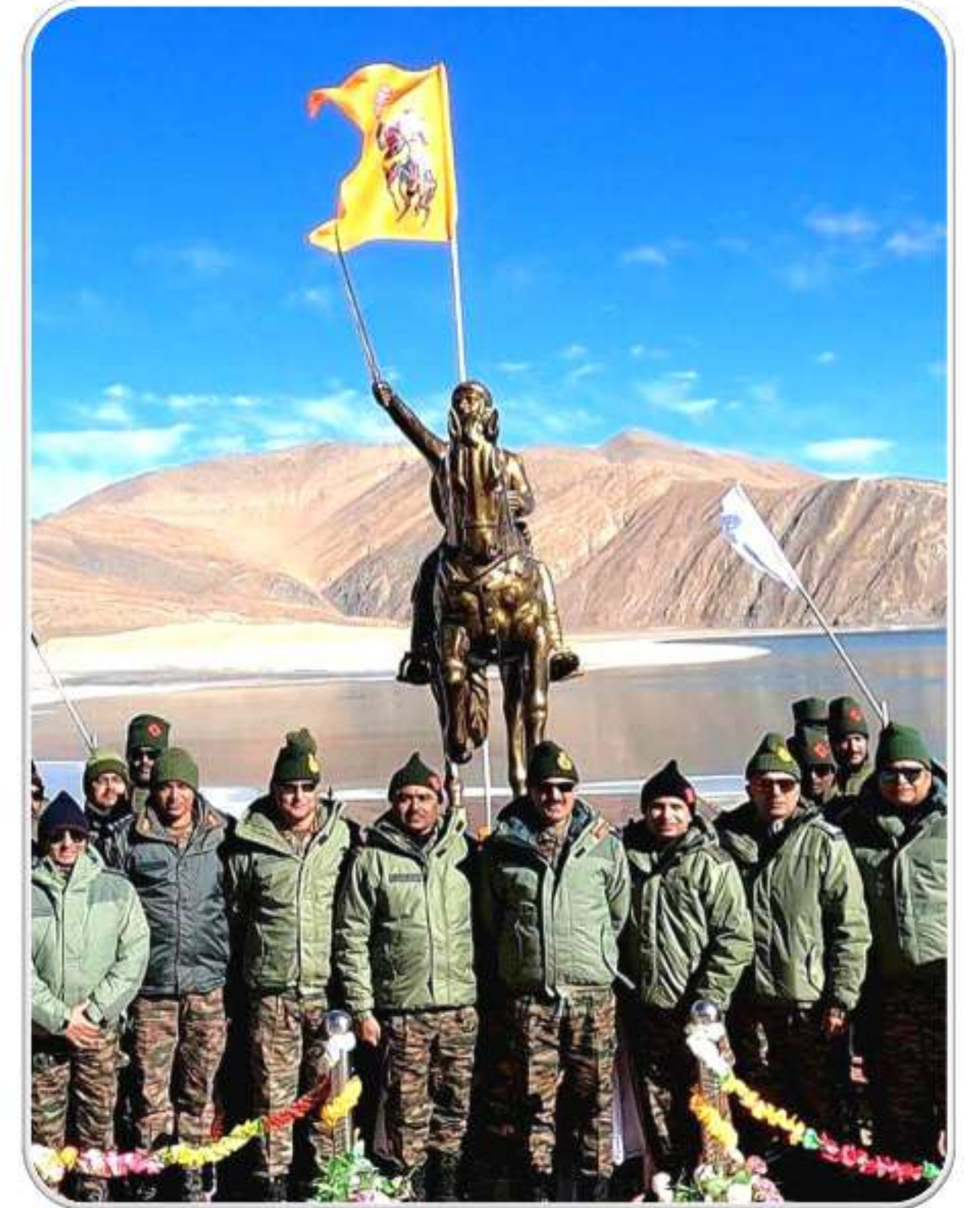
भारतीय सेना ने पेंगोंग त्सो में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण किया





भारतीय सेना ने पैंगोंग त्सो में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण किया

- ▶ भारतीय सेना ने चित्तौड़ के महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की एक प्रतिमा का अनावरण पैंगोंग त्सो, लद्दाख में किया। यह कदम भारत-चीन सीमा के पास रणनीतिक और सांस्कृतिक उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



पैंगोंग त्सो

- पैंगोंग त्सो, हिमालय में स्थित एक लंबी, संकरी और गहरी झील है। यह लद्दाख और तिब्बत में फैली हुई है और इसे कई वजहों से जाना जाता है:
- यह दुनिया की सबसे ऊंची खारे पानी की झील है।
- यह रंग बदलने के लिए भी जानी जाती है।
- यह बॉलीवुड फ़िल्मों की शूटिंग के लिए भी मशहूर है।
- यह भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है।



छत्रपति शिवाजी महाराज

- छत्रपति शिवाजी महाराज, जिनका जन्म 19 फरवरी, 1630 को शिवनेरी के पहाड़ी किले में हुआ था, एक प्रमुख मराठा योद्धा और पश्चिमी भारत में मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे।
- उनके जीवन और विरासत ने भारतीय इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी है, जो मुगल साम्राज्य के खिलाफ प्रतिरोध की भावना और स्वशासन की खोज को दर्शाता है।



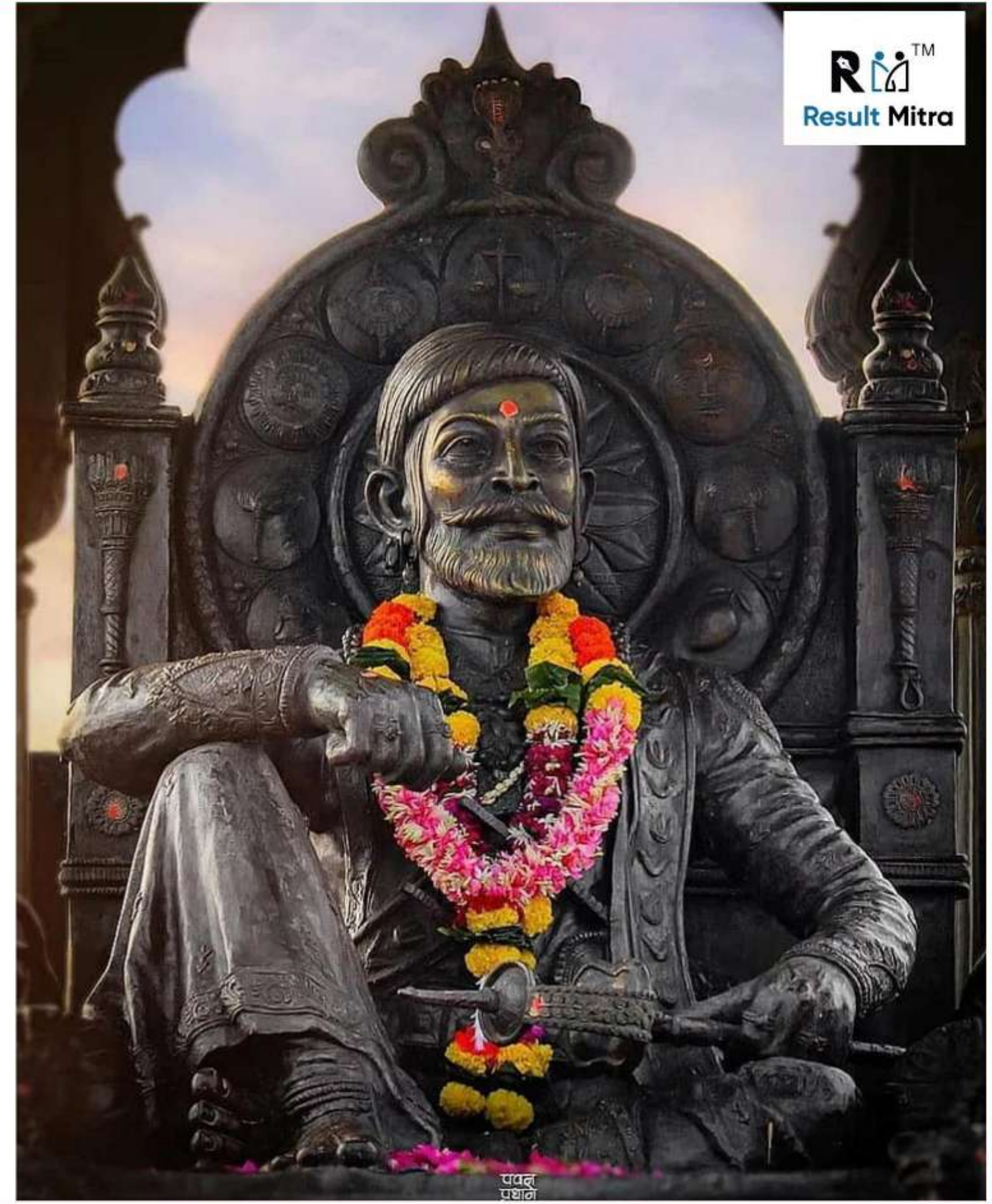
छत्रपति शिवाजी महाराज

- शिवाजी का जन्म मराठा सेनापति शाहजी भोंसले और जीजाबाई के घर हुआ था, जिनकी शिक्षाओं ने उनके शुरुआती जीवन को गहराई से प्रभावित किया।
- जीजाबाई ने उनमें अपनी भूमि और लोगों के प्रति गर्व और जिम्मेदारी की भावना पैदा की।
- छोटी उम्र से ही शिवाजी ने असाधारण नेतृत्व क्षमता और न्याय की प्रबल भावना का प्रदर्शन किया।



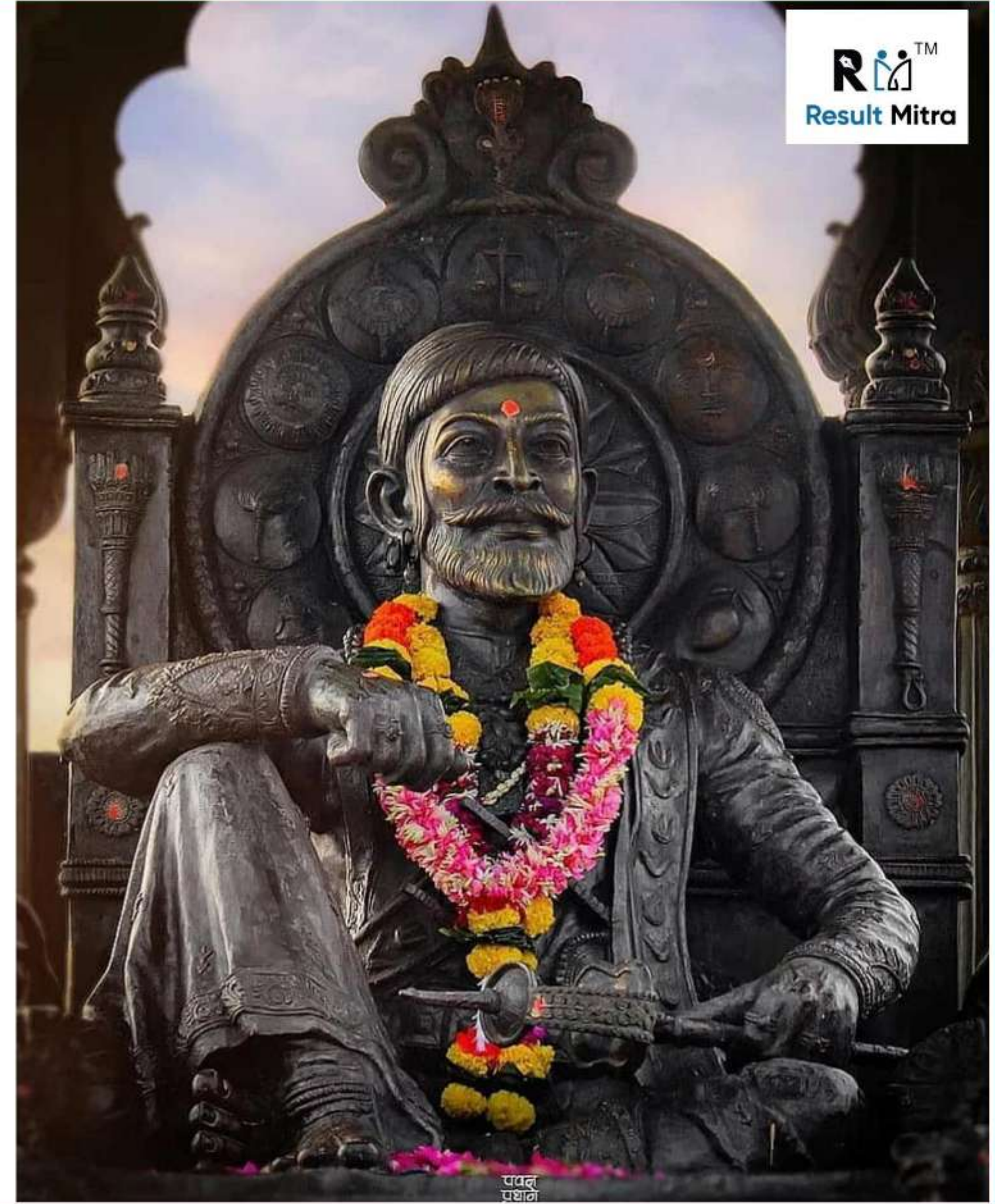
छत्रपति शिवाजी महाराज

- 16 साल की उम्र तक शिवाजी ने वफ़ादार अनुयायियों का एक समूह इकट्ठा कर लिया था और मराठा साम्राज्य की स्थापना के लिए अपना अभियान शुरू कर दिया था। उन्होंने 1645 में अपना पहला किला, तोरणा, जीता, जो एक नेता के रूप में उनकी यात्रा की शुरुआत थी।
- अगले कुछ सालों में, उन्होंने रणनीतिक रूप से कई किलों और क्षेत्रों पर कब्ज़ा कर लिया, गुरिल्ला युद्ध की रणनीति का इस्तेमाल किया जो उनका ट्रेडमार्क बन गया।



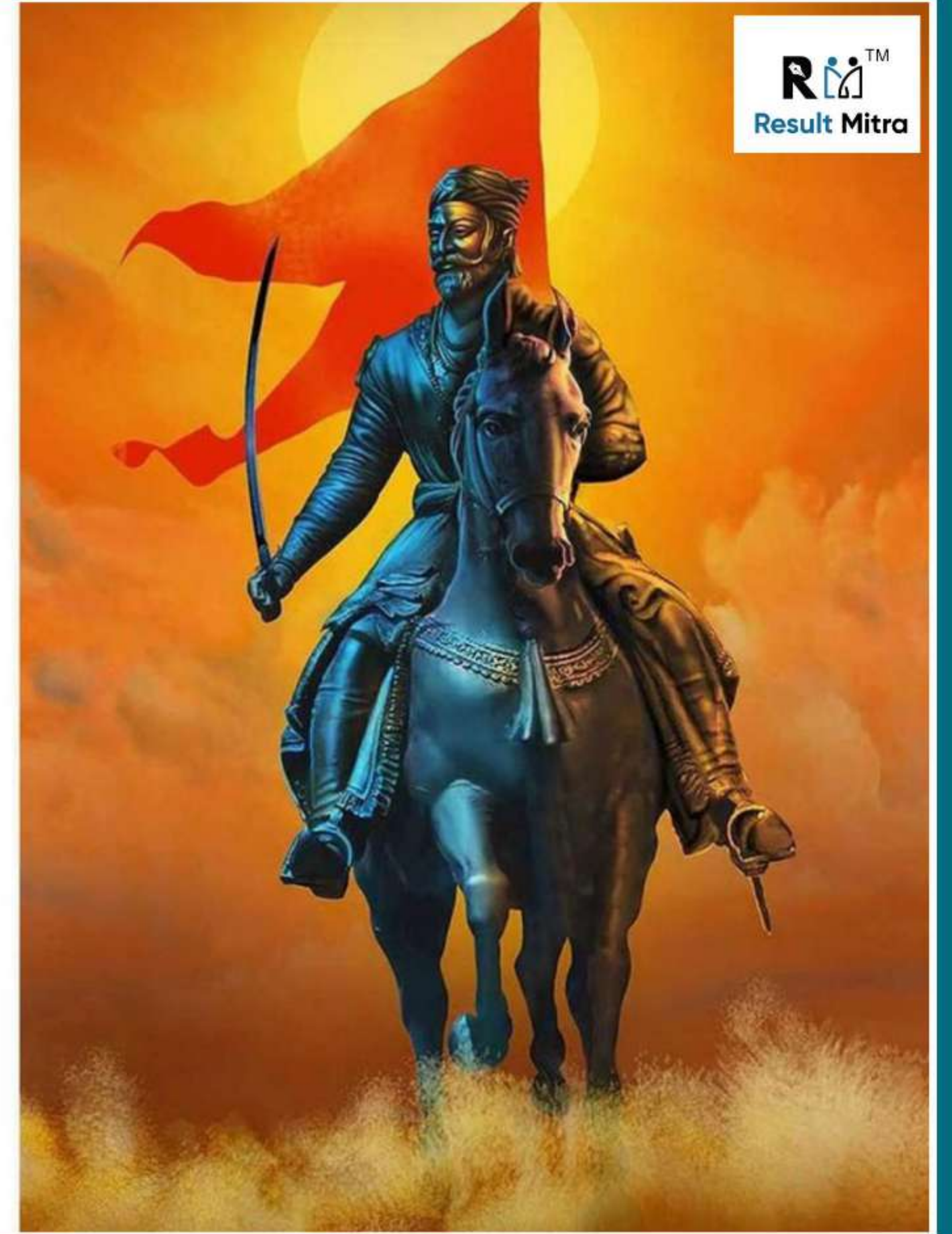
छत्रपति शिवाजी महाराज

- शिवाजी के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण मील के पत्थरों में से एक 6 जून, 1674 को रायगढ़ किले में छत्रपति के रूप में उनका राज्याभिषेक था। यह घटना संप्रभुता की घोषणा और मराठा साम्राज्य की औपचारिक स्थापना थी।
- राज्याभिषेक समारोह, बहुत भव्यता के साथ आयोजित किया गया था, जिसमें ऐसे अनुष्ठान और अनुष्ठान शामिल थे जो एक स्वतंत्र शासक के रूप में उनकी वैधता को दर्शाते थे।



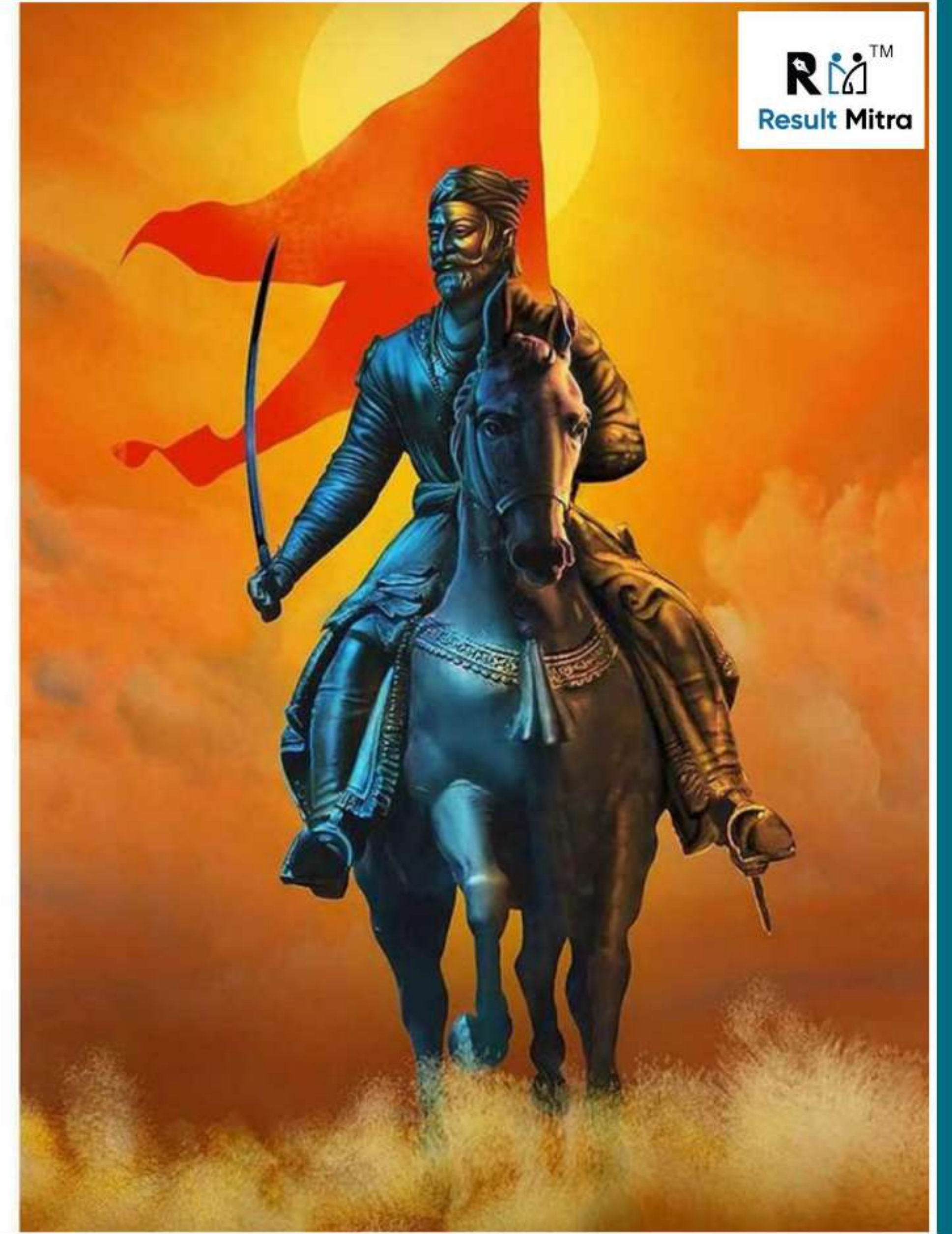
छत्रपति शिवाजी महाराज

- यह एक प्रतीकात्मक क्षण था, जो मुगल वर्चस्व से स्वायत्तता के लिए मराठों की आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करता था।
- शिवाजी के प्रशासन की विशेषता प्रगतिशील नीतियों और कुशल शासन थी। उन्होंने तटरेखाओं की सुरक्षा में नौसेना की सर्वोच्चता के महत्व को पहचानते हुए एक मजबूत नौसेना बल की स्थापना की।



छत्रपति शिवाजी महाराज

- उनके प्रशासनिक सुधारों में एक अनुशासित सैन्य संरचना का निर्माण, राजस्व सुधारों की शुरुआत और व्यापार को बढ़ावा देना शामिल था।
- उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता पर भी जोर दिया और अपने सभी विषयों के लिए न्याय सुनिश्चित करते हुए एक विविध समाज का समर्थन किया।



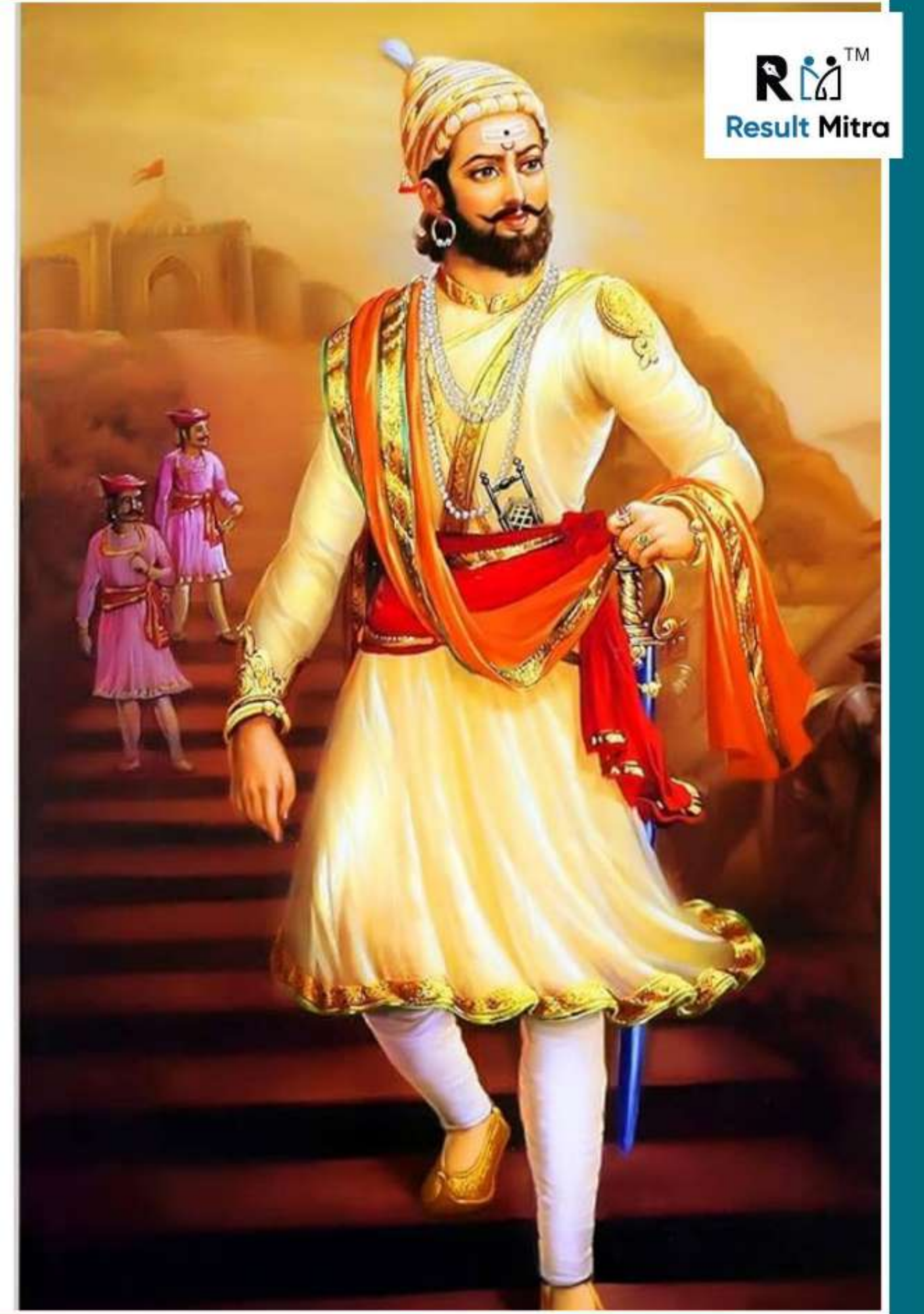
छत्रपति शिवाजी महाराज

- शिवाजी लगातार मुगल साम्राज्य और अन्य पड़ोसी राज्यों के साथ संघर्ष में थे। औरंगजेब द्वारा कैद किए जाने के बाद 1666 में आगरा से उनके भागने ने उनकी चतुराई और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया।
- इस साहसी भागने ने एक चालाक और दृढ़ नेता के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत किया। शिवाजी महाराज का निधन 3 अप्रैल, 1680 को रायगढ़ किले में हुआ था।



छत्रपति शिवाजी महाराज

- उनकी मृत्यु ने एक शून्य छोड़ दिया, लेकिन उनकी विरासत उनके उत्तराधिकारियों और मराठा साम्राज्य के माध्यम से बनी रही, जिसने मुगल सत्ता को चुनौती देना और अपने क्षेत्रों का विस्तार करना जारी रखा।



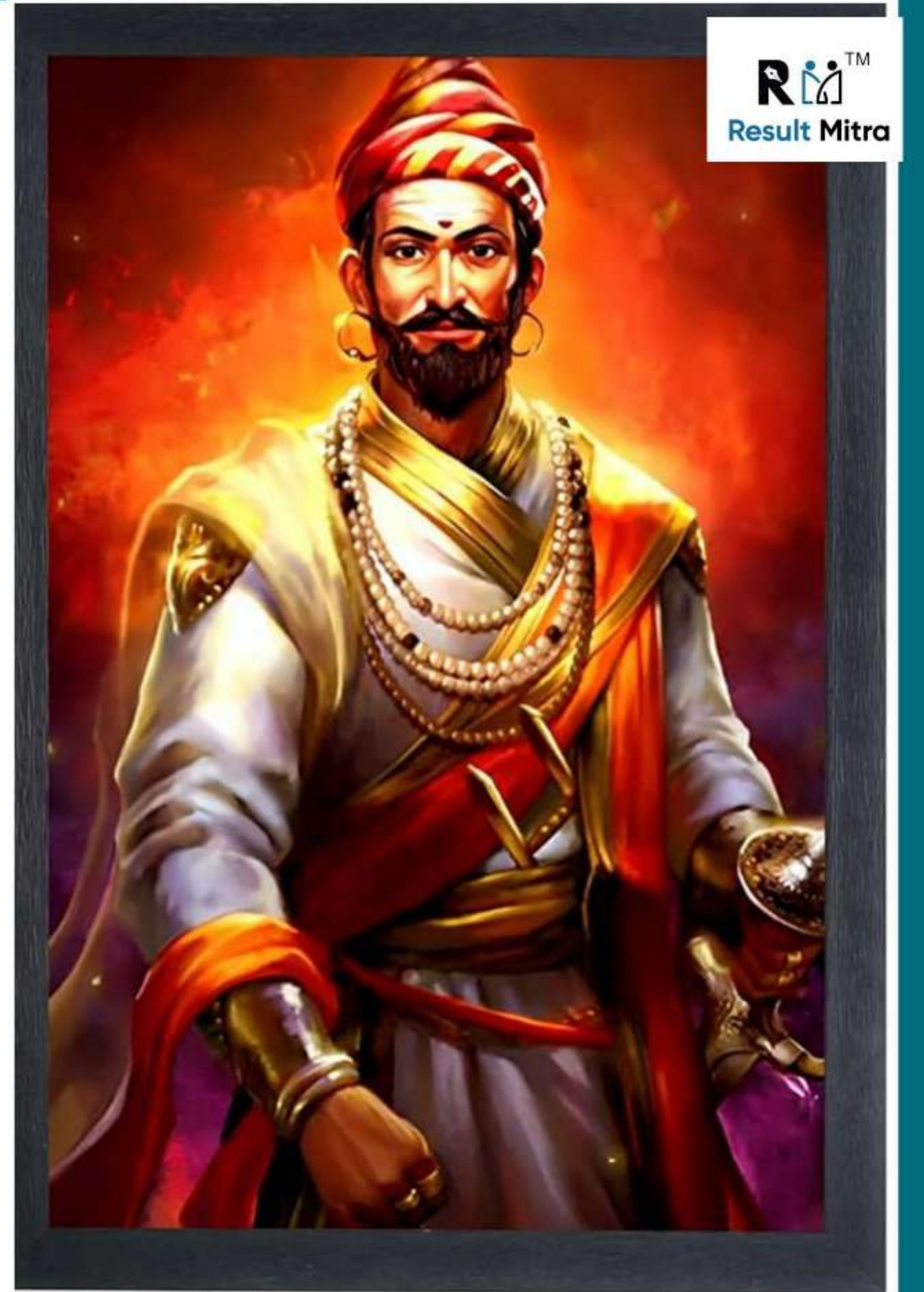
छत्रपति शिवाजी महाराज

- शिवाजी महाराज की जीवन गाथा उनकी दूरदर्शिता, वीरता और नेतृत्व का प्रमाण है। 19 फरवरी, 1630 को उनका जन्म और 6 जून, 1674 को उनका राज्याभिषेक, दो महत्वपूर्ण तिथियाँ हैं जो उनकी शानदार यात्रा की शुरुआत और शिखर को चिह्नित करती हैं।



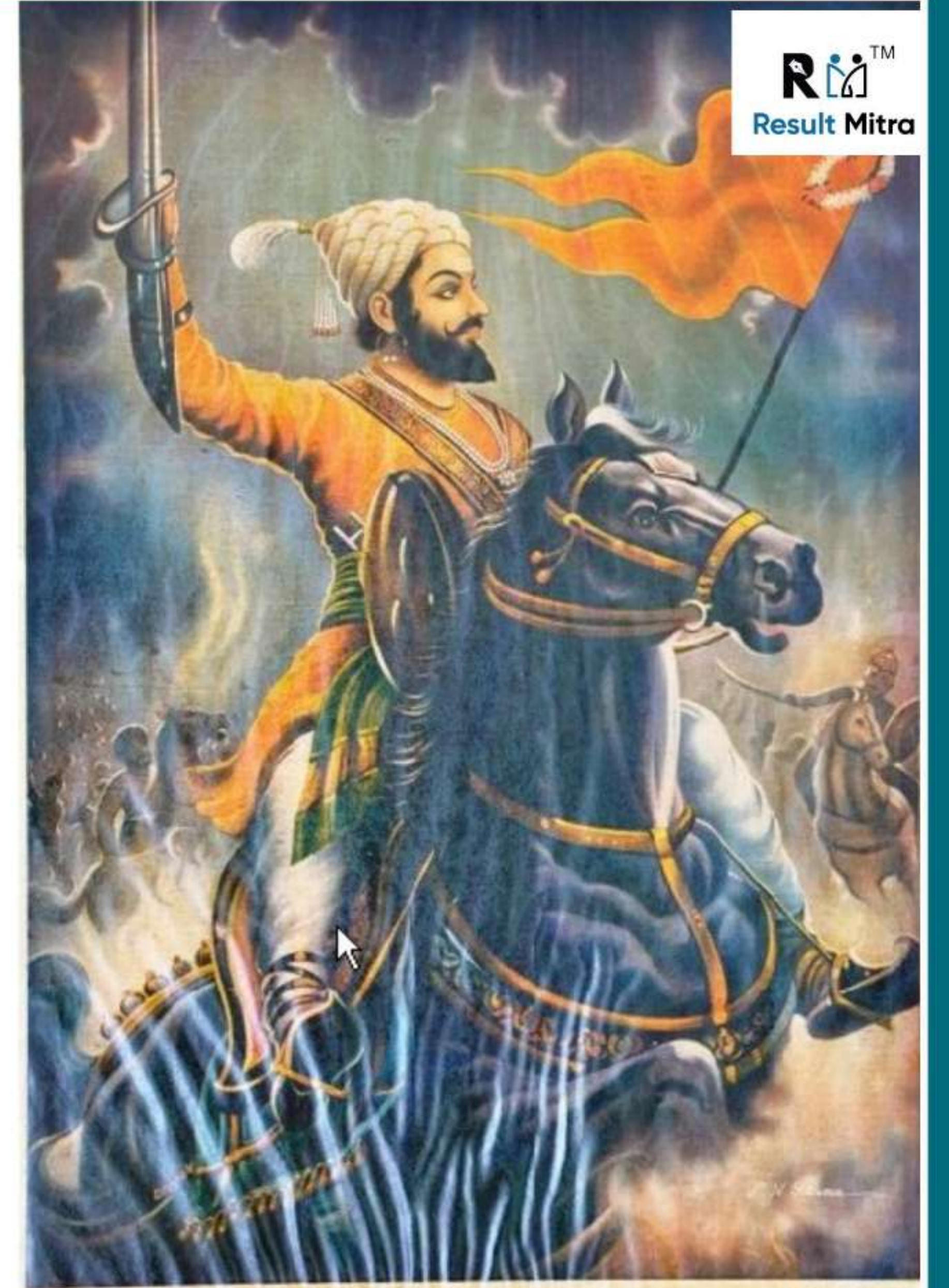
छत्रपति शिवाजी महाराज

- वे भारतीय इतिहास में एक सम्मानित व्यक्ति बने हुए हैं, जिन्हें मराठा पहचान और औपनिवेशिक और साम्राज्यवादी ताकतों के खिलाफ व्यापक भारतीय प्रतिरोध में उनके योगदान के लिए मनाया जाता है।
- इस संदर्भ में, छत्रपति शिवाजी महाराज शिवाजी कॉलेज के प्रतीक के रूप में खड़े हैं, जो हिंदवी स्वराज्य की अदम्य भावना और एक महान आदर्श की खोज का प्रतीक हैं।



छत्रपति शिवाजी महाराज

- उनकी विरासत इतिहास के कैनवास पर एक अमिट छाप के रूप में गूंजती है, जो शासन में उत्कृष्टता की निरंतर खोज को प्रेरित करती है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रकाश स्तंभ के रूप में काम करती है।
- शिवाजी कॉलेज अपने मूल्यों को गर्व से बनाए रखता है, अपने शैक्षिक दर्शन में दूरदर्शी नेतृत्व, लचीलापन और स्वशासन के प्रति प्रतिबद्धता के सिद्धांतों को शामिल करता है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज की भावना को मूर्त रूप देने वाले भविष्य के नेताओं को गढ़ने का प्रयास करता है।



CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: भारतीय सेना ने हाल ही में किस स्थान पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया है?

- (A) सियाचिन ग्लेशियर ✓
- (B) पैंगोंग त्सो झील ✓
- (C) लेह शहर ✓
- (D) तवांग ✓



सौराहा में 18वां हाथी महोत्सव आयोजित

देवाळ - पित्तक





- ▶ नेपाल के चितवन जिले के सौराहा में 18वां हाथी और पर्यटन महोत्सव आकर्षण का केंद्र बन गया है। चितवन नेशनल पार्क के पास बघमारा इंटरमीडिएट कम्युनिटी फॉरेस्ट में आयोजित यह पाँच दिवसीय महोत्सव क्रिसमस और नए साल के उत्सवों के साथ मेल खाता है।





- ▶ नेपाल के चितवन जिले के सौराहा में 18वां हाथी और पर्यटन महोत्सव आकर्षण का केंद्र बन गया है। चितवन नेशनल पार्क के पास बघमारा इंटरमीडिएट कम्युनिटी फॉरेस्ट में आयोजित यह पाँच दिवसीय महोत्सव क्रिसमस और नए साल के उत्सवों के साथ मेल खाता है।



चितवन में 18वां हाथी एवं पर्यटन महोत्सव

- वर्ष 2024 में चितवन में 18वां हाथी एवं पर्यटन महोत्सव आयोजित किया गया।
- यह महोत्सव पांच दिनों तक चलेगा और इसमें देश-विदेश से पर्यटक शामिल हुए।
- इस पांच दिवसीय महोत्सव का समापन एक जनवरी को होगा।

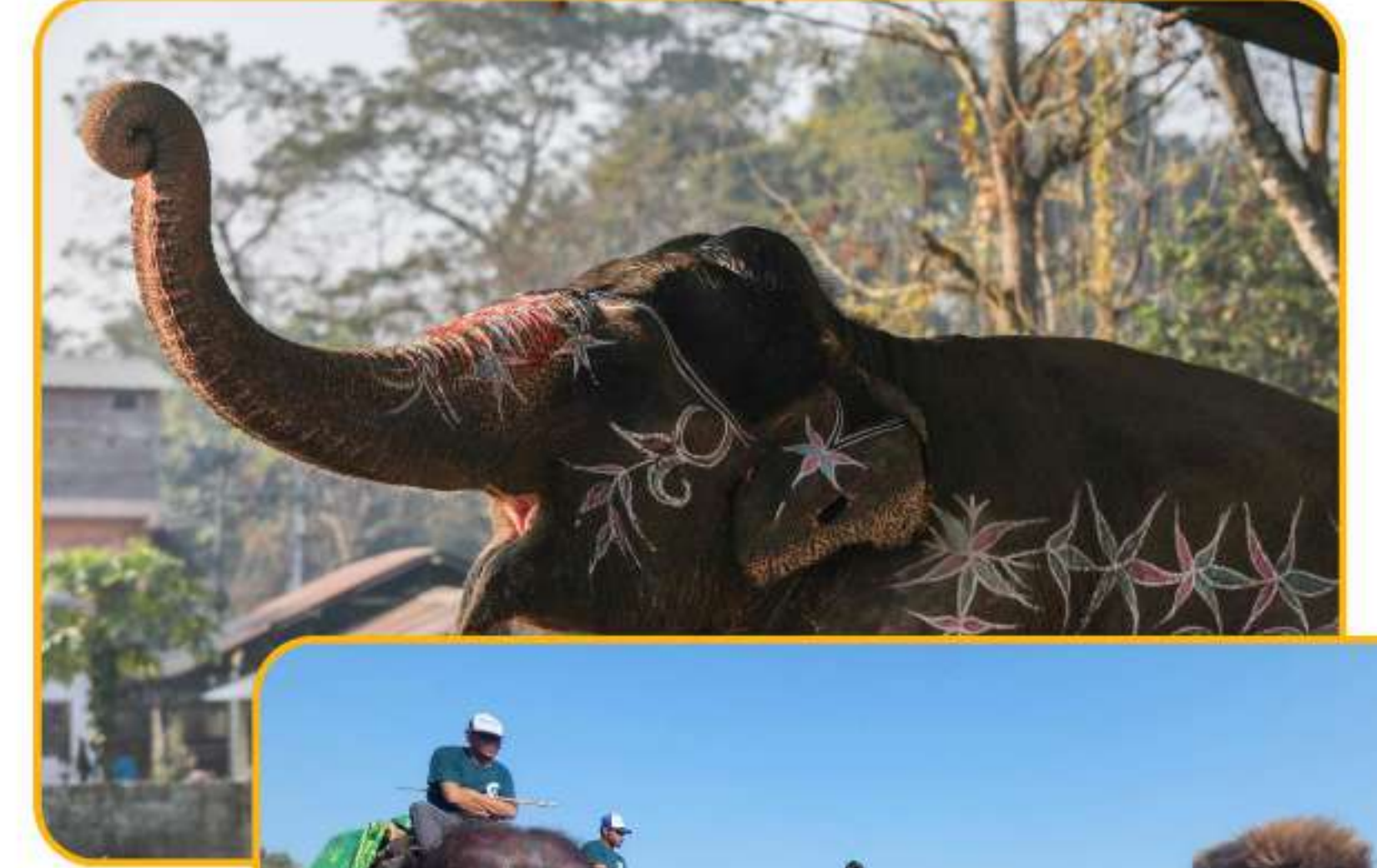


चितवन में 18वां हाथी एवं पर्यटन महोत्सव

महोत्सव में क्या-क्या होता है?

हाथियों की प्रदर्शनी:

- इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण हाथियों की प्रदर्शनी होती है।
- हाथी विभिन्न प्रकार के कर्तब दिखाते हैं, जैसे कि पानी में तैरना, गेंद खेलना और चित्र बनाना।

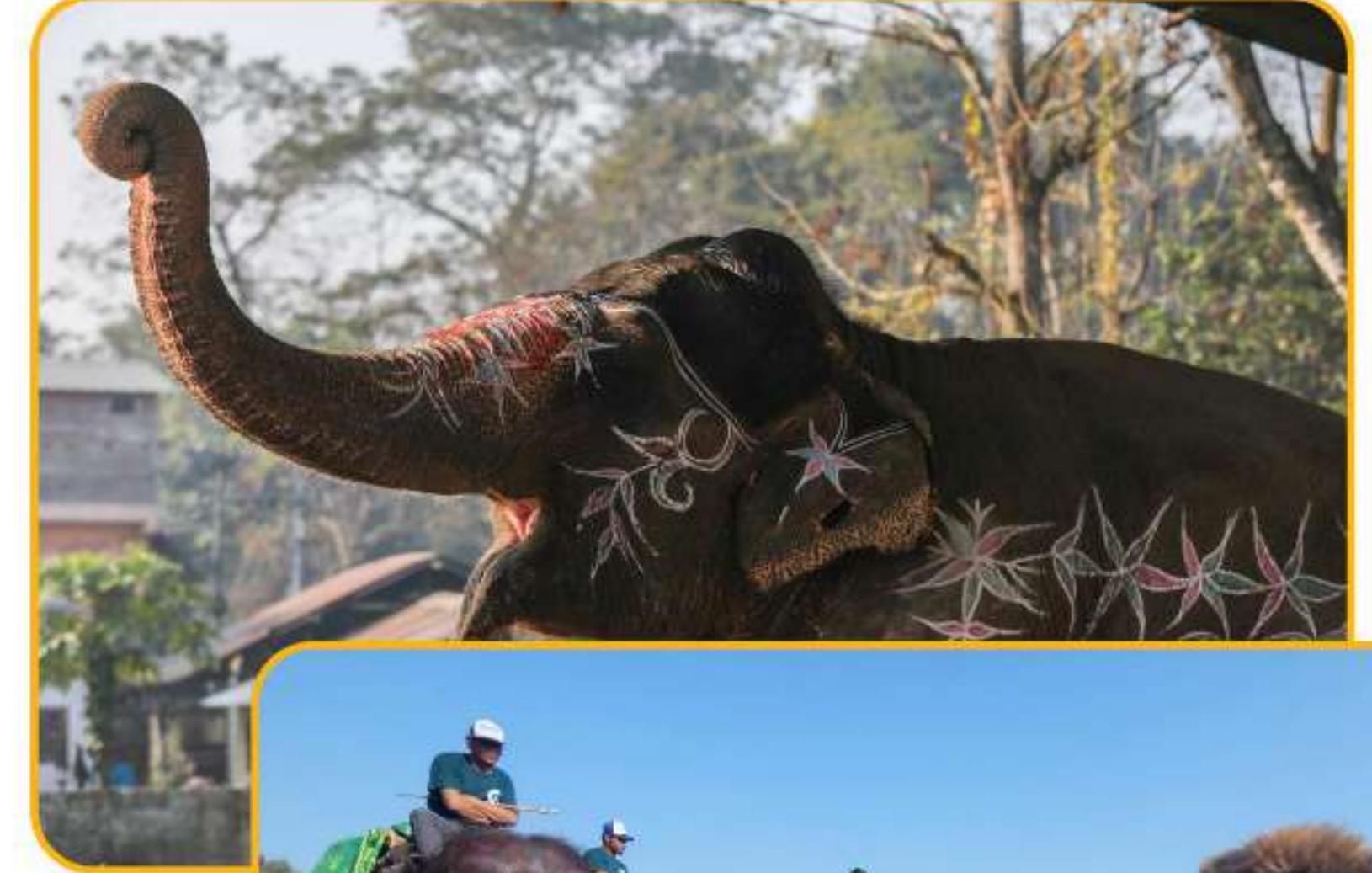


चितवन में 18वां हाथी एवं पर्यटन महोत्सव

महोत्सव में क्या-क्या होता है?

स्थानीय संस्कृति:

- महोत्सव में स्थानीय संस्कृति की झलक भी देखने को मिलती है।
- स्थानीय कलाकार पारंपरिक नृत्य और संगीत की प्रस्तुति देते हैं।



चितवन में 18वां हाथी एवं पर्यटन महोत्सव

महोत्सव में क्या-क्या होता है?

पर्यटन को बढ़ावा:

- इस महोत्सव का उद्देश्य चितवन के पर्यटन को बढ़ावा देना है।
- महोत्सव के दौरान पर्यटकों को चितवन राष्ट्रीय उद्यान और अन्य पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दी जाती है।



चितवन में 18वां हाथी एवं पर्यटन महोत्सव

महोत्सव में क्या-क्या होता है?

पर्यावरण संरक्षण:

- महोत्सव के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है।



चितवन में 18वां हाथी एवं पर्यटन महोत्सव

चितवन के बारे में

- चितवन नेपाल का एक प्रमुख **राष्ट्रीय उद्यान** है।
- यह अपनी जैव विविधता के लिए जाना जाता है।
- यहां एक साथ कई प्रकार के जानवर देखने को मिलेंगे
- जैसे कि बाघ, गैंडे, हाथी और मगरमच्छ।
- चितवन हाथियों के लिए एक आदर्श आवास है।
- यहां बड़ी संख्या में हाथी पाए जाते हैं।



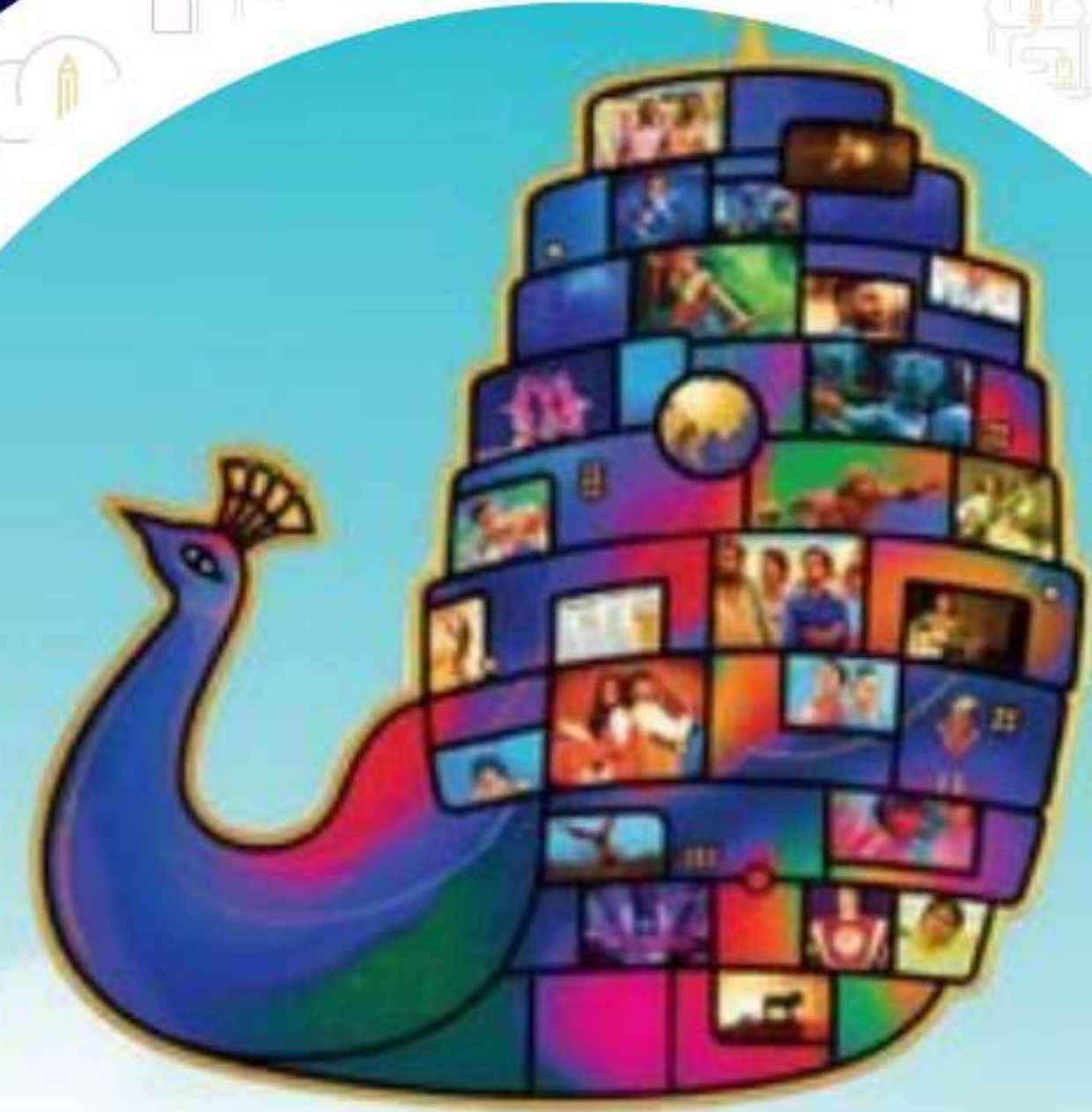
CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: हाल ही में सौराहा में 18वां हाथी महोत्सव आयोजित किया गया। सौराहा किस देश में स्थित है?

- (A) भारत
- (B) भूटान
- (C) नेपाल
- (D) श्रीलंका



भारत करेगा वेव्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी



WAVES

WORLD AUDIO VISUAL
ENTERTAINMENT SUMMIT



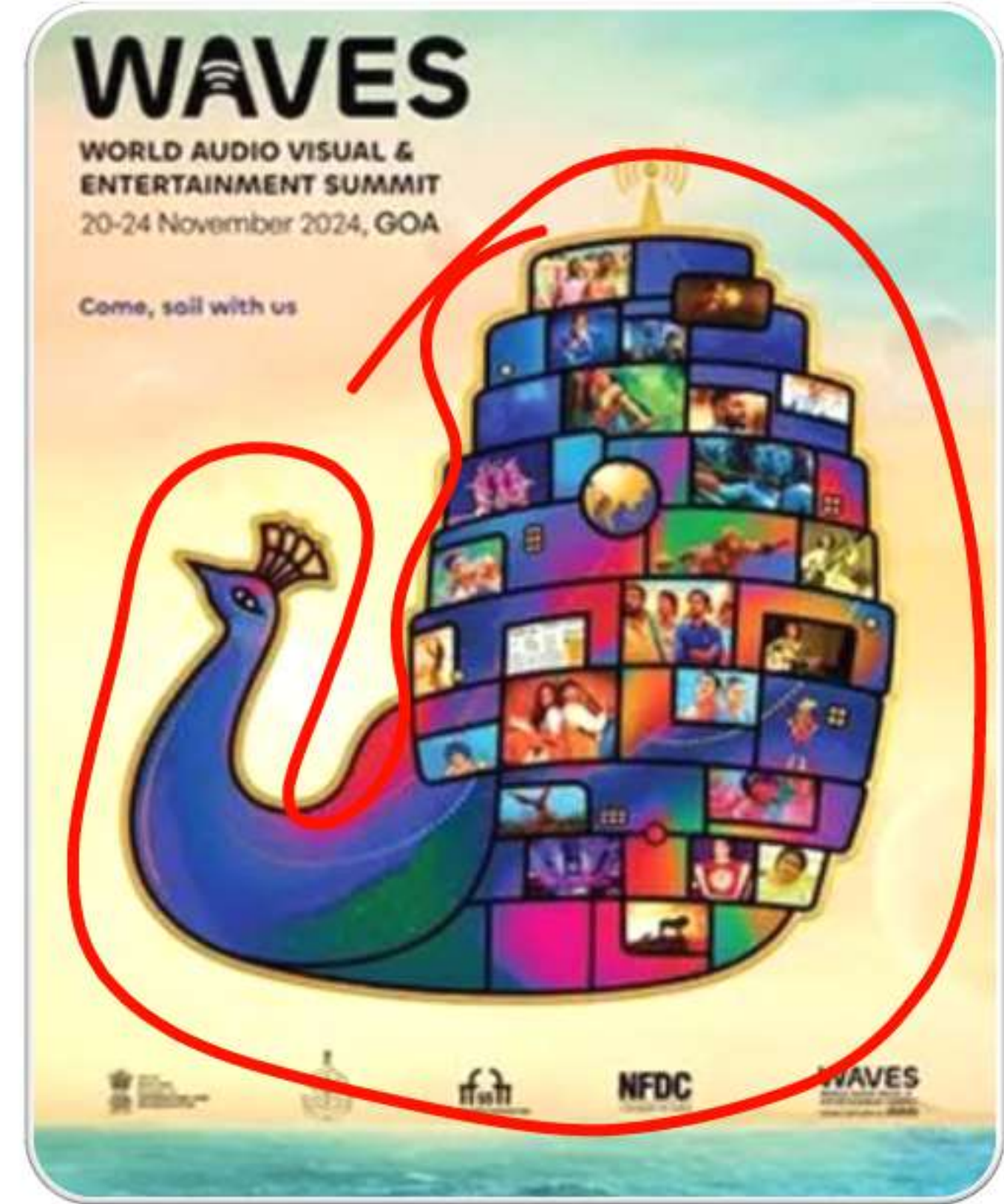
- ▶ भारत फरवरी 2025 में फर्स्ट वेव्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा भारत 5 से 9 फरवरी 2025 के बीच पहली बार वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (WAVES) की मेजबानी करेगा।
- ▶ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम के दौरान इस वैश्विक आयोजन की घोषणा की।

वर्ल्ड ऑडियो

The Hindly Economic

indian

वैश्विक आयोजन





- ▶ भारत विश्व स्तर पर सबसे बड़े और सबसे विविध सामग्री उत्पादकों में से एक है, जिसमें एक गतिशील मीडिया और मनोरंजन (एम एंड ई) उद्योग है जो फिल्मों, टेलीविजन, ओटीटी प्लेटफॉर्म, खेल और समाचार तक फैला हुआ है।



- ▶ बॉलीवुड की प्रतिष्ठित कहानी कहने से लेकर वैश्विक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भारतीय सामग्री की बढ़ती प्रमुखता तक, विश्व मंच पर भारत का प्रभाव निर्विवाद है।
- ▶ वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (WAVES) 2025 देश की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के विकास को उत्प्रेरित करते हुए इस कौशल का प्रदर्शन करना चाहता है।



वैश्विक M&E उद्योग में भारत का बढ़ता प्रभाव

- ▶ वैश्विक एम एंड ई उद्योग, जिसमें फिल्मों, टीवी, प्रसारण, प्रिंट, रेडियो, विज्ञापन, एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग, संगीत और लाइव इवेंट शामिल हैं, 2022 में 2.32 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के चौंका देने वाले राजस्व तक पहुंच गया।
- ▶ भारत, 26.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अपने मौजूदा बाजार आकार के साथ, अपने हिस्से में काफी वृद्धि करने की क्षमता रखता है।



वैश्विक M&E उद्योग में भारत का बढ़ता प्रभाव

- ▶ ओटीटी प्लेटफार्मों के उदय के साथ तकनीकी प्रगति ने नाटकीय रूप से भारत की पहुंच का विस्तार किया है, जिससे भारतीय सामग्री 130 देशों में वैश्विक दर्शकों के लिए सुलभ हो गई है।
- ▶ डबिंग और सबटाइटलिंग क्षमताओं ने भारतीय कहानियों को दुनिया भर में निर्यात करने में मदद की है, जिससे भारतीय सामग्री निर्माण में विकास की अगली लहर को बढ़ावा देने की क्षमता है।



वैश्विक नेतृत्व के लिए एक विजन

- ▶ WAVES 2025 को M&E उद्योग के भीतर विचारों, सहयोग और नवाचार के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में डिज़ाइन किया गया है। यह भारत के लिए सामग्री निर्माण, प्रौद्योगिकी एकीकरण और रचनात्मक उद्योग के विकास में वैश्विक नेता के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा।



शिखर सम्मेलन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा:

- ▶ 1. भारत को वैश्विक रचनात्मक अर्थव्यवस्था के नेता के रूप में पोजिशन करना वेक्स घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए बौद्धिक संपदा (IP) निर्माण में भारत की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित करेगा, जो देश की प्रतिभा और रचनात्मकता का लाभ उठाएगा। यह पहल वैश्विक रचनात्मक अर्थव्यवस्था में भारत के योगदान को मजबूत करेगी, नवाचार और नए व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देगी।



शिखर सम्मेलन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा:

- ▶ 2. वैश्विक साझेदारी के लिये एक मंचविश्व स्तर पर भारतीय सामग्री के लगातार बढ़ते प्रभाव के साथ, शिखर सम्मेलन उद्योग सहयोग, साझेदारी और निवेश को प्रोत्साहित करेगा। भारत को एक व्यापार-अनुकूल निवेश गंतव्य के रूप में तैनात किया जा रहा है, जो आधुनिक बुनियादी ढांचे, कुशल कार्यबल और तेजी से विकसित होने वाले पारिस्थितिकी तंत्र की पेशकश करता है।



शिखर सम्मेलन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा:

- ▶ 3. भविष्य के लिये एक कुशल कार्यबल विकसित करना WAVES 2025 के मुख्य स्तंभों में से एक भारत के M&E बुनियादी ढाँचे की क्षमता निर्माण पर ज़ोर है। शिखर सम्मेलन भविष्य के लिए तैयार कार्यबल विकसित करने के लिए रणनीतियों का पता लगाएगा जो वैश्विक मांगों को पूरा कर सकता है। इसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाना, प्रतिभा का पोषण करना और प्रसारण, एनीमेशन, गेमिंग और डिजिटल मीडिया में अत्याधुनिक तकनीक को अपनाना शामिल है।

WAVES 2025: फोकस के स्तंभ

WAVES 2025 भारत के M&E उद्योग के विकास को चलाने वाले निम्नलिखित प्रमुख स्तंभों को उजागर करेगा:

- 1. प्रसारण और इन्फोटेनमेंट: टेलीविजन और रेडियो प्रसारण में नई सीमाओं की खोज करना, साथ ही जनता की राय को आकार देने में इन्फोटेनमेंट की विकसित भूमिका।



WAVES 2025: फोकस के स्तंभ

- 2. AVGC-XR (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी): इंटरैक्टिव मनोरंजन और इमर्सिव अनुभवों को विकसित करने पर ध्यान देने के साथ भारत के बढ़ते AVGC क्षेत्र का प्रदर्शन।



WAVES 2025: फोकस के स्तंभ

- 3. डिजिटल मीडिया और इनोवेशन: डिजिटल परिवर्तन, सामग्री वितरण में नवाचार और M&E परिदृश्य में गेम चेंजर के रूप में OAT प्लेटफार्मों का उदय।
- 4. फिल्में: भारत के फिल्म उद्योग की खोज, पारंपरिक बॉलीवुड से नए युग के फिल्म निर्माताओं और सह-निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी के अवसरों की खोज।



भारत के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्र

WAVES 2025 में भारत की महत्वाकांक्षाएं साहसिक हैं, जिनका लक्ष्य है:

- 1. ग्लोबल साउथवेक्स 2025 से एम्प्लीफाई वॉयस मीडिया और मनोरंजन के बारे में नई सोच को बढ़ावा देने के लिए एक ऐतिहासिक मंच तैयार करेगा, ग्लोबल साउथ के नेताओं की आवाज को बढ़ाएगा। भारत वैश्विक स्तर पर एम एंड ई उद्योग में सहयोग, साझेदारी और विकास को बढ़ावा देने वाले समावेशी ढांचे को चलाने में सबसे आगे होगा।



भारत के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्र

- 2. शिखर सम्मेलन का मुख्य ध्यान भारतीय बौद्धिक गुणों (आईपी) को डिजाइन और विकसित करने पर होगा, जो देश की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं। कहानी कहने और सामग्री निर्माण में नवाचार को प्रोत्साहित करने से भारत वैश्विक आईपी निर्माण में सबसे आगे रहेगा।



भारत के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्र

- 3. M&E इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड स्किलिंगशिखर सम्मेलन में भारत के M&E बुनियादी ढांचे के निर्माण को भी प्राथमिकता दी जाएगी, जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार एक कुशल कार्यबल बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत कौशल पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है कि भारत वैश्विक एम एंड ई क्षेत्र में एक अग्रणी खिलाड़ी बना रहे।



भारत के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्र

- 4. भारत के M&E व्यवसायों और उद्यमों को बढ़ावा देना वेक्स 2025 भारत के M&E उद्योग, व्यवसायों और उद्यमों को प्रदर्शित करने के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगा, जो उनकी विकास क्षमता और नवाचार को उजागर करेगा। शिखर सम्मेलन वैश्विक साझेदारी और सहयोग की सुविधा भी प्रदान करेगा, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलनों की सफलता के समान गुणवत्ता नेटवर्किंग और सौदा करने के अवसर प्रदान करेगा।



भारत के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्र

- 5. M&E विकास के लिए सरकारी प्रोत्साहनों को बढ़ावा देना भारत सरकार ने हाल ही में फिल्म शूटिंग, VFX, पोस्ट-प्रोडक्शन और गेमिंग के लिए नए प्रोत्साहनों की घोषणा की है। WAVES इन प्रोत्साहनों को बढ़ावा देने और वैश्विक खिलाड़ियों को आकर्षित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा, जिससे सामग्री उत्पादन और तकनीकी नवाचार के लिए एक अंतरराष्ट्रीय गंतव्य के रूप में भारत की अपील बढ़ेगी।





भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाना

- ▶ वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 भारत के मीडिया और मनोरंजन परिदृश्य के लिए एक परिवर्तनकारी घटना बनने की ओर अग्रसर है।



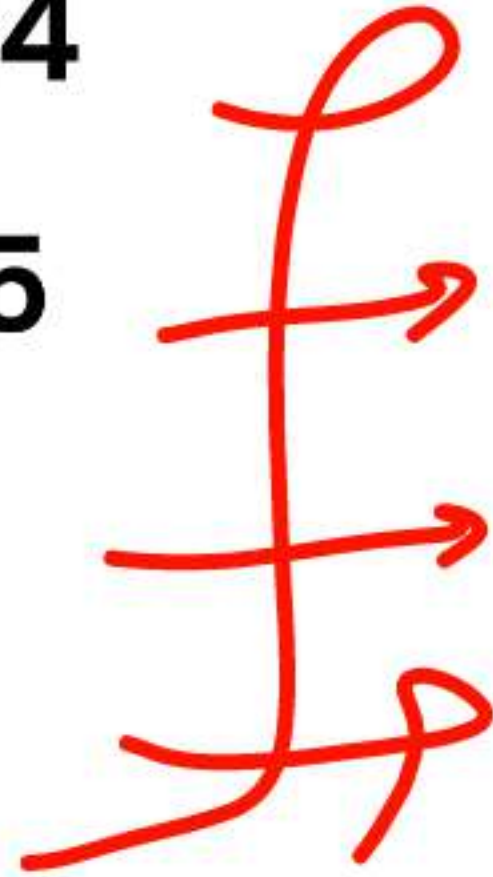
भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाना

- ▶ तकनीकी प्रगति को अपनाकर, वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देने और सामग्री निर्माण में नवाचार को प्रोत्साहित करके, वेक्स 2025 भारत को अपने एम एंड ई उद्योग नेतृत्व के अगले चरण में प्रेरित करेगा।
- ▶ यह ऐतिहासिक आयोजन भारत की न केवल कंटेंट पावरहाउस बनने की क्षमता को रेखांकित करेगा, बल्कि मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में एक वैश्विक विचारक नेता भी बनेगा।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: भारत पहली बार वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट
(WAVES) की मेजबानी कब करेगा?

- (A) जनवरी 2024
- (B) फरवरी 2025
- (C) मार्च 2025
- (D) अप्रैल 2024



CRPF
Stuti

वितुल कुमार CRPF के महानिदेशक नियुक्त





- ▶ भारतीय पुलिस सेवा (IPS) में 1993 बैच के वरिष्ठ अधिकारी वितुल कुमार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का कार्यवाहक महानिदेशक बनाया गया है।
- ▶ वितुल कुमार मौजूदा डीजी अनीश दयाल सिंह की जगह लेंगे। आईपीएस अनीश 31 दिसंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 30 दिसंबर को उन्होंने वितुल कुमार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक का पदभार सौंपा।





वितुल कुमार के बारे में

- ▶ 1993 बैच के यूपी कैडर के आईपीएस अधिकारी वितुल कुमार का जन्म 3 अगस्त 1968 को पंजाब के भटिंडा में हुआ था। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। आईपीएस वितुल कुमार ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी संभाली है।



वितुल कुमार के बारे में

- ▶ उन्हें 9 फरवरी 2009 को उप महानिरीक्षक (DIG), 31 दिसंबर 2012 को महानिरीक्षक (IG) और 1 जनवरी 2018 को अतिरिक्त महानिदेशक (ADG) के पद पर पदोन्नत किया गया था। वहीं वितुल कुमार को कई सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें 26 जनवरी 2021 को राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएम) से सम्मानित किया गया था।

सीआरपीएफ़ के बारे में

राष्ट्र उच्च - नियंत्रण कौशल

- सीआरपीएफ़ यानी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत का एक सशस्त्र पुलिस बल है। यह गृह मंत्रालय के अधीन आता है।
- सीआरपीएफ़ की मुख्य भूमिकाएं हैं:
 - राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, आंतरिक सुरक्षा प्रदान करना, चुनावों में सुरक्षा सुनिश्चित करना, आतंकवाद विरोधी कार्रवाई करना।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

गृह मंत्रालय

आइएन सिंजेरेटिव
फोर्स

27 जुलाई

1939



सीआरपीएफ़ के बारे में

सीआरपीएफ़ के बारे में कुछ और खास बातें:

- इसकी स्थापना 27 जुलाई, 1939 को क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के नाम से हुई थी।
- 28 दिसंबर, 1949 को सीआरपीएफ़ अधिनियम लागू होने के बाद इसका नाम बदलकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कर दिया गया।



सीआरपीएफ़ के बारे में

सीआरपीएफ़ के बारे में कुछ और खास बातें:

- सीआरपीएफ़ का आदर्श वाक्य है, 'राष्ट्र प्रथम - मेरा अनुसरण करो'।
- सीआरपीएफ़ के महानिदेशक इस बल के प्रमुख होते हैं।



सीआरपीएफ़ के बारे में

सीआरपीएफ़ के बारे में कुछ और खास बातें:

- सीआरपीएफ़ में कई निदेशालय होते हैं, जिनमें प्रशासन, कार्मिक, प्रशिक्षण, परिचालन, संभरण, संचार और निर्माण, आसूचना, स्थापना, और वित्तीय निदेशालय शामिल हैं।
- सीआरपीएफ़ अधिकारियों को संयुक्त राष्ट्र मिशनों में भी तैनात किया जाता है।



CURRENT AFFAIRS QUIZ

वितुल कुमार किस भारतीय पुलिस सेवा (IPS) बैच के अधिकारी हैं?

(A) 1988 बैच ✓

(B) 1990 बैच ✓

(C) 1993 बैच ✓

(D) 1995 बैच ✓



गुजरात सरकार ने लॉन्च किया 'SWAR' प्लेटफॉर्म





- ▶ 25 दिसंबर को "सुशासन दिवस" के अवसर पर, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने SWAR (Speech and Written Analysis Resource) प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया। यह पहल नागरिकों के लिए भाषा बाधाओं को समाप्त कर संचार और पहुंच को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Speech and Written Analysis
Resource
गोवा





- ▶ नागरिक केंद्रित इस पहल का उद्देश्य राज्य में जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाना है। यह प्लेटफॉर्म इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के भाषिणी टीम के सहयोग से विकसित किया गया है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग करता है ताकि सरकारी सेवाओं को अधिक समावेशी बनाया जा सके।



SWAR प्लेटफॉर्म की प्रमुख विशेषताएं

स्पीच-टू-टेक्स्ट एकीकरण:

- ▶ नागरिक अब मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) की वेबसाइट पर संदेशों को टाइप करने के बजाय बोलकर भेज सकते हैं, जिससे उन लोगों के लिए प्रक्रिया सरल हो जाती है जो कीबोर्ड से परिचित नहीं हैं।



SWAR प्लेटफॉर्म की प्रमुख विशेषताएं

स्वदेशी AI सिस्टम:

- ▶ प्लेटफॉर्म में भाषिणी AI सिस्टम का उपयोग किया गया है, जो विशेष रूप से भाषा और तकनीकी बाधाओं का सामना करने वाले नागरिकों के लिए निर्बाध स्पीच रिकग्निशन प्रदान करता है।



SWAR प्लेटफॉर्म की प्रमुख विशेषताएं

भविष्य के उन्नयन:

- ▶ उन्नत AI तकनीकों जैसे मशीन लर्निंग (ML), नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP), और ओपन सोर्स जनरेटिव AI को शामिल करने की योजना है, जिससे यह प्लेटफॉर्म नागरिकों की जरूरतों के प्रति अधिक संवेदनशील बनेगा।



गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

- ▶ भूपेंद्र रजनीकांत पटेल (जन्म 15 जुलाई 1962) एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सिविल इंजीनियर हैं, जो 2021 से गुजरात के 17वें और वर्तमान मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। वह 2017 से गुजरात विधानसभा में घाटलोदिया विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह भाजपा के सदस्य हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 25 दिसंबर को "सुशासन दिवस" के अवसर पर किस प्लेटफ़ॉर्म का शुभारंभ किया?

- (A) SWAR (Speech and Written Analysis Resource) ✓
- (B) SMART (Speech and Machine Assisted Resource Technology)
- (C) SARV (Speech and Automated Resource Verification)
- (D) SABR (Speech and Accessibility Based Resource)



Thank You